भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 643
गुरूवार, 28 नवम्बर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

कलबुर्गी विमानपत्तन से विमान सेवाएं

643. श्री राधाकृष्णः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि कलबुर्गी का दिल्ली, मुम्बई, अहमदाबाद, तिरुपति आदि सहित अन्य प्रमुख शहरों तक कोई नियमित संपर्क नहीं है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह भी सच है कि कलबुर्गी और ऐसे अन्य प्रमुख शहरों के बीच सीधी उड़ानों की मांग बढ़ गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का कलबुर्गी से अन्य प्रमुख शहरों के लिए विमान सेवा शुरू करने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी मार्ग-वार ब्यौरा क्या है और इसे कब तक चालू किए जाने की संभावना है; और

(ड.) यदि नही, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ड.): उड़ान योजना के तहत, कलबुर्गी को तिरुपति, हिंडन और बेंगलुरु से जोड़ने वाली आरसीएस उड़ानें शुरू की गईं हैं। मेसर्स स्टार एयर ने अपना 3 वर्ष का वीजीएफ कार्यकाल पूरा करने के बाद भी कलबुर्गी-बेंगलुरु मार्ग का प्रचालन जारी रखा है। कलबुर्गी वर्तमान में उड़ान योजना के प्रावधानों के अनुसार एक 'सेवित' हवाईअड्डा है, और योजना इस में असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों/हवाई पट्टियों के सम्पर्क को बढ़ाने के लिए परिकल्पना किया गया है।

देश के किसी भी शहर के लिए/से उड़ानें शुरू करना एयरलाइनों का वाणिज्यिक निर्णय है, जो मार्ग की प्रचालनिक व्यवहार्यता और अन्य संबंधित कारकों को ध्यान में रखते हुए लिया जाता है। मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरस्त होने के साथ ही भारतीय घरेलू विमानन क्षेत्र को विनियमन मुक्त कर दिया गया है। एयरलाइनें अब किसी भी प्रकार के विमान के साथ क्षमता बढ़ाने के लिए स्वतंत्र हैं, और वे संबंधित हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा स्लॉट आवंटन और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा अनुमोदन के अध्यधीन अपनी इच्छानुसार किसी भी बाजार और नेटवर्क का चयन करने और प्रचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं।

******